

बायोकेमिस्ट्री को बॉटनी और जूलॉजी के संबद्ध विषयों में शामिल करने की आवश्यकता

बायोकेमिस्ट्री जीवन विज्ञान (Life Sciences) का एक अभिन्न और मुख्य आधार है। यह विज्ञान जीवों के जैविक और रासायनिक प्रक्रियाओं को समझने में मदद करता है।

बायोकेमिस्ट्री का महत्व:

- 1. जीवन विज्ञान का केंद्र बिंदु: बायोकेमिस्ट्री पौधों और जानवरों दोनों की जैविक प्रक्रियाओं को समझने के लिए मुख्य है।
2. बॉटनी और जूलॉजी में बायोकेमिस्ट्री का योगदान: पौधों में प्रकाश संश्लेषण (Photosynthesis), रक्तसन्, और पोषक तत्वों का परिवहन, जो बॉटनी के मुख्य विषय हैं, बायोकेमिस्ट्री पर आधारित हैं।
3. अंतर-सम्बन्धित विषय: बायोकेमिस्ट्री का अध्ययन अन्य संबद्ध विषयों जैसे माइक्रोबायोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी (Biotechnology), आनुवंशिकी (Genetics), और जीवन विज्ञान (Life Sciences) से गहराई से जुड़ा है।

इक्कीसवीं सदी के द्वार पर लडखड़ाता बचपन

बचपन जीवन का सबसे सुखाना समय होता है। मीठी मीठी शरारतें, भौली भौली मुस्कुराहटें, मासुमियत से छिपे चेहरे और उमके निरखल हंसी में जीवन कापस सुख मिल जाता है। इनके साथ इसका अपना हंगम भूल जाता है। इसीलिए हमें नन्हे फरिस्त से एंजिल कल जाता है। एक बहुत विचित्र विषयवस्तु है कि समय के साथ - साथ हमारी भावनाएं और मानसिकताएं भी बदलती जा रही हैं।



हैकड़ी कान में चोटलवाई जा रही है। आज के नाम पर बच्चों को अपमानित करना उनके आत्मसम्मान को घटाने में मदद करता है।

एडमिशन नहीं पा पाता। आगे चलकर लकी डोनेशन वाला बच्चा और दान देकर मेडिकल और इंजीनियरिंग में एंट्रेंस जाते हैं।

सिधे तौर पर परधान दिया जा सकता है। बच्चे को अतिरिक्त बोझ को कम करने के लिए समान पाठ्यक्रम का नियम लागू किया जाना चाहिए।

- 1. 2017 में बायोकेमिस्ट्री का मान्यता प्राप्त होना;
2. 2022 और 2024 में असमान्य परिवर्तन;
3. अन्वयपूर्ण निर्णय;
4. विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा;

सरस्वती के साधक कड़ी मेहनत से सूचनाओं को आमजनों को महत्वपूर्ण करार करते हैं-



जवाहर ज्योती पीपुल मुख्यालय में डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे मेजबान हैं।



संजय शर्मा के अध्यक्ष श्री शर्मा शर्मा, कार्यक्रम संयोजक श्री राजकुमार दुबे, जिला अध्यक्ष श्री नेतुल में प्रवेश भर में श्रमजीवी नेतृत्व कार्य कर रहे हैं।



कार्य कर रहे हैं। पत्रकार साथी निरंतर कार्य कर रहे हैं।

बापाका बड़ौद के शिक्षक कर रहे गृह संपर्क

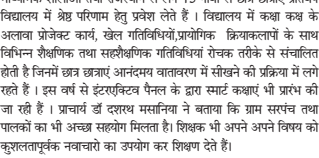
राज्य सरकार ने लखौरो को बापाका बड़ौद के शिक्षक कर रहे गृह संपर्क करने की अनुमति दी है।

बदलते परिवेश में त्योहारों की प्रासंगिकता

त्योहारों का वही मूल्य बचा है? या ये सिर्फ रूढ़िवादी रस्मों तक सीमित होकर गए हैं? प्रासंगिकता के पक्ष में तर्क

आज के संदर्भ में त्योहारों की प्रासंगिकता को बचाव देना होगा। प्रासंगिकता के पक्ष में तर्क

फतेह मस्जिद में सामूहिक रोजा इपतार का कार्यक्रम आयोजित



महिलेपुरा में फतेह मस्जिद में रोजा इपतार का कार्यक्रम आयोजित किया गया।